पाठ ४९

1. ककराके निमित्त बप्तिस्मा दिएवाला युहन्ना यहुदीसबके हृदय तैयार बनावतरनी ?
    - उद्धारकर्ता यिशुके निमित्त ।
2. बप्तिस्मा दिएवाला यिशु कइसन यिहुदीसबके हृदय तैयार बनावतरनी ?
    - ओकुनीसबके परमेश्वरके वचन सिखइके ।
3. बप्तिस्मा दिएवाला युहन्ना यहुदीसबके कथी सिखाइलक ?
    - बप्तिस्मा दिएवाला युहन्ना यहुदीसबके ओकुनीसबके पश्चात्ताप करेके परि कहके सिखाइल ।
4. पश्चात्ताप करेके परी कहेलाके मतलब कथी ह ?
    - पहिल पश्चात्ताप करेलाके मतलब परमेश्वरके बारेमे हमनीके सोचाइ परिवर्तन कइन ह ।
5. बप्तिस्माके अर्थ कथी ह ?
    - बप्तिस्मा एगो तरिका ह जहां अपने पश्चात्ताप करेला आ परमेश्वर सिर्फ अपनेके बचावेला कहके विश्वास करेला ।

6. का बप्तिस्मा यहुदीसबके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे बचावेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
7. का बप्तिस्मा कउनोके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे बचावेके सकी ?
    - ना ।
8. कउनो सिर्फ हमनीके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे बचावेके सकिहन ?
    - उद्धारर्कता यिशु ।
9. काहे बप्तिस्मा दिएवाला युहन्ना फरिसी आ सदुकीके सापके सन्तान कहलक ?
    - काहकि फरिसी आ सदुकीसब बहुत घमण्डी रहे ।
10. फरिसी आ सदुकीसब काहे ओकुनीसँगे परमेश्वर निमन रहे कहके ठानेला ?
    - काहेकि ओकुनीसब ठानत रहे कि ओकुनीसब करेला काम परमेश्वरके खुशी बनेके बाध्य पारेला ।
11. का हमनी करेला कउनो काम परमेश्वरके हमनीसबप्रति खुश बनेके बाध्य पारेला ?

- ना ।

12. परमेश्वरके निमन पारेला एगो हि काम कथी ह ?
    - पापके निमित्त प्रायश्चित्त ।
13. अउरो का बातसे फरिसी आ सदीसबके लागत रहे कि परमेश्वर ओकुनीसबसंगे निमन बा ?
    - फरिसी आ सदुकीसबके लागत रहे कि ओकुनीसब अब्राहामके सन्तानसब रहे त परमेश्वर ओकुनीसबसंगे खुश बारन ।
14. का कउनो किसिके दरसन्तान भेला त ऊ बातसे परमेश्वर खुश भेगेला ?
    - ना ।
15. वहां यी धरतिमे रहेलाके समयमे यिशुके कउन अगुवाइ करत रनी ?
    - पवित्र आत्मा परमेश्वर ।
16. जब यिशु बप्तिस्मा लिअल त पिता परमेश्वर यिशुके बारेमे कउन बात कहलक ?
    - पिता परमेश्वर वहां यिशुसंगे बहुत निमन ह कहलन ।
17. बप्तिस्मा दिएवाला युहन्ना काहे यिशुके परमेश्वरके थुमा कहलक ?

- जइसन परमेश्वर इसहाकके बदलेमे मारके निमित्त भेड देलक वइसन परमेश्वर सब आदमीके मारेलाके निमित्त यिशुके देलक ।

- बप्तिस्मा देवेवाला युहन्ना यिशुके बप्तिस्मा देवेलाके बाद पवित्र आत्मा परमेश्वर वहांके मरुभूमिमे लिअल ।

मत्ती ४:१ पद पढलजाइ ।

तब वही घडी पवित्र आत्मा यिशुके जङ्गलमे ले गइल । के सैतानसे उनका जाँच होखे ।

1. वहां मरुभूमिमे भेलाके समयमे कथी घटना भइल ?
    - शैतान वहांके परीक्षाम पारल ।
    - शैतान परिवर्तन ना भइल ।
    - शैतान आदिसे ही दुष्ट्याइ करेला ।
    - जइसन शैतान आदम आ हब्वाके परीक्षामे पारेला वइसने ही शैतान अभिन यिशुके परीक्षामे परारतरनी ।

2. शैतान काहे यिशुके परीक्षामे लिअल ?
    - काहेकि शैतान यिशु पाप करेके चाहतरनी ।

3. शैतान काहे यिशु पाप करेके चाहतरनी ?
    - काहेकि शैतन यिशु हमनीके बचावेला ना चाहनी ।
4. अगर यिशु पाप करेला त वहां हमनीके बचावेलाके सक्षम रहेला ?
    - ना ।

5. अगर यिशु पाप करेला त का वहां हमनीके बचावेलाके सक्षम रहेला ?
    - ना ।
6. अगर यिशु पाप करेला त वहां हमनीके पाप मृत्यु आ शैतानके शक्तिसे बचावेलाके सक्षम रहे ?
    - ना ।
    - शैतान यिशुके परीक्षामे लेअल काहेकि ऊ उद्धारकर्ता परमेश्वरके पराजित करेके चाहनी ।
    - शैतान यिशुके परीक्षामे लेअन काहेकि ऊ यिशुके अपन दास बनावेलाके चाहनी ।
    - यिशु मरुभूमिमे रहेला आ ४० दिनतक उपवास कइल ।

        आवलजावो मत्ती ४:२ पद पढलजाइ ।

यिशु जब ४० दिन अउर ४० रात उपवास कर भइलन त आखिरमे उनकराके भुख लागल ।

- यद्यपि यिशु पूर्ण रुपसे परमेश्वर बाडन लेकिन फेनु वहां पूर्ण रूपसे मानव भि रहेला ।
- वइसहे कारण ह यिशुके भुख लागेला ।

7. शैतान यिशुके दिए पहिल प्रलोभन कथी रहे ?

आवलजावो मत्ती ४:३ पद पढलजाइ ।

पर शैतान उनकराके आके कहलन जदि तु परमेश्वरके बेटा हव त ए पथ्थरसे कहि द आ इ रोटी बनजावो ।

- शैतान यिशुसे कहलक अगर तुम परमेश्वरके बेटा ह ।

8. का शेतानके युश परमेश्वरके बेटा बारन कहेके थाहा ना रहे ?
   - रहे ।

9. वइसहे शैतान काहे यिशुके अगर तु परमेश्वरके बेटा बारन कहलन ?
    - शैतान यिशुके परीक्षामे पारतरनी ताकि वहां परमेश्वरके पुत्र बारन कहके प्रमाणित होसकेला ।
    - शैतान यिशुके परीक्षामे पारतरनी ताकि वहां पिता परमेश्वर करो ना कहेवाला कउनो काम भि ना करेला ।
    - शैतान यिशुके परीक्षामा पारत रनी ताकि यिशु पिता परमेश्वरसे अलग भइल पथलके रोटीमे परिणत करेला ।

10. का यिशु पथलके रोटीमे परिणत कर सकेला ?
    - हां ।
    - यिशु परमेश्वर बारन ।
    - यिशु सब काम करेके सकेला ।

11. यिशु शैतानके कथी जवाफ देलक ?

आवलजावो मत्ती ४:४ पद पढलजाइ ।

लेकिन यिशु ओकरासे कहलन कि यि लिखलबा आदमी खालि रोटीसे ना जिएला बांकी जउन बचन परमेश्वरके मुहसे निकलेला वहीसे जिएला ।

12. शैताके जवाफ दिएलाके यिशु कथी कइलक ?
    - यिशु बाइबलमे लिखेला बात उद्धरण कइके शैतानके जवाफ देलक ।
13. यिशु शैतानके का बातचाहिं रोटीसे ज्यादा जरुरीरहे कहलन ?
    - यिशु शैतानके परमेश्वरके वचनमे विश्वास गरेला रोटीसे ज्यादा जरुरी ह कहलन ।
14. का यिशु हमनीके खाएके नइखे परी कहलन ?
    - ना ।
    - यिशुके हमनी बांचेके निमित्त खाएके परिक कहके जरुर थाहा रहे ।
    - यिशु हि सब आदमीसबके निमत्त खाना बनाइरहे ।
    - यिशु शैतानके सच जीवन परमेश्वरके वचनसे आवेला कहलरनी ।

15. यद्यपि यिशु भुखइलेरनी त पर भि वहां काहे पथलके रोटीमे परिणत ना कइल ?
    - काहेकि पिता परमेश्वर वहांके अइसन करेके ना कहलन ।
    - यिशु शैतानके आज्ञा पालन करेके नइखे रहे ।
    - यिशु केवल परमेश्वरके आज्ञा पालन करेके परी ।

16. यिशुके परीक्षामे पारेके शैतान प्रयोग करेला दोसर बात कथफी रहे ?

    आवलजावो मत्ती ४:५-६ पद पढलजाइ ।

    तब सैतान यिशुके पवित्र शहर यरुसेलममे लेगइल अउर मन्दिरके चोटिपर खडा कइलस अउर उनकरासके कहलस जदि तु परमेश्वरके बेटा हवा तु अपनाके निचेगिरा द काहेकि लिखल बा ऊ तोहरा खातिर अपना स्वरगदुतनके हुकुम दिहे कि व लोग तोहराके हाथोहाथ उठालेहान । अइसन ना होखे तोहरा पाउमे पथ्थर से घाउ लगे ।

- शैतान यिशुके जेरुसलेमके मन्दिरके उपर ले चलल आ यिशुके वहांसे फाल हालो कहलन ।
- शैतान यिशुके जेरुसलेम मन्दिरके उपर ले चलल आ फाल हालो कहलन काहकि परमेश्वरके पुस्तक इबलमे पिता परमेश्वर यिशुके रक्षा करेला कहके लिखेला ।

17. का शैतानके परमेश्वरके पुस्तकमे का लिखेला कहके थाहा रहे ?
    - हां ।
    - शैतानके परमेश्वरके पस्तकमे का लिखेला कहके थाहा रहे ।

18. लेकिन शैतान परमेश्वरके वचनसे कथी कइलक ?
    - शैतान परमेश्वरके वचनके बिगाडदेलक आ आदमीके जालमे फांसल ।
19. हब्वाके जालमे फांसके शैतान कइसन परमेश्वरके वचन बड्गाइल ?
    - शैतान हब्वाके परमेश्वर ना खाइल कहले फल खायल त तु ना मरल कहके हब्वाके बहकाइल ।

- शैतान यिशुके जालमे फांसके परमेश्वरके वचन बिगाडल ।
- शैतान यिशु पिता परमेश्वरके जउन ना कइल कहलन वही करो कहके परीक्षामे पारल ।
- शैतान यिशु पिता परमेश्वरके अलग भइलके वहांके ना कइल कहेवाला मन्दिरमे निचे झरो कहलन ।

20. यिशु सैतानके कथी जवाफ देलक ?

आवलजावो मत्ती ४:७ पद पढलजाइ ।

यिशु ओकरासे कहलन यिहु लिखलबा कि अपना प्रभु परमेश्वरके मत जाँच ।

21. शैतानके जवाफ दिएके यिशु कथी कइलक ?
    - यिशु शैतानके जवाफ दिएलाके परमेश्वरके पुस्तकमे लिखेला वचन उद्धरण कइल ।
    - यिशु शैतानके कहलन हमनी अपन पिता परमेश्वरके परीक्षामे ना पारल ।

22. हमनी काहे पिता परमेश्वरके परीक्षामा पारके नइखे परी ?
    - काहेकि परमेश्वर जहियो सत्य वचन बोलेला ।
    - काहेकि परमेश्वर कहियो झूठ ना बोलेल ।

23. यिशु काहे मन्दिर से निचे ना झरल ?
    - काहेकि पिता परमेश्वर यिशुके अयसन करो ना कहलन ।
    - यिशु शैताके आज्ञा पालन ना कइलन ।
    - यिशु केवल पिता परमेश्वरके सिर्फ आज्ञा पालन कइलन ।

24. शैतान यिशुके दिए तेसर परीक्षा कथी रहे ?

आवलजावो मत्ती ४:८-९ पद पढलजाइ ।

फिर शेतान उनकराके एगो बडहन पहाडमे ले गइल सगरी दुनियाके राजपाठ देखाके उनकरासे कहलस यदि तु गरिके हमराके सलाम करव त यि सबकुछ तोहराके ददिव

- शैतान यिशुके उचा पहाडमे लिअल आ वहांसे यिशुके संसारके सब राज्य आ ओकर प्रताप दिखइल ।
- शैतान यिशुसे कहलक कि यिशु शैतानके पूजा कइल त ऊ वहांके संसारके सब राज्य वहांके हातमे दिएला ।

25. का शैतान यिशुके संसारके सब राज्यके नियन्त्रण दिएलाके सम्भव रहे ?
    - हां ।
26. शैतान यिशुके संसारके सब राज्यके नियन्त्रण दिएलाके कइसन सम्भव रहे ?
    - काहेकि आदमी शैतानके बात मानगल शैतान आदम आ अउरो आदमीसबके मालिक बनगेल ।
    - काहेकि आदम शैतानके बात मानलक शैतान आदमके मालिक बनगेल सब आदमीके मालिक बनगेल आ सारा संसारके मालिक बनगेल ।

27. का यिशु शैतानके पूजा कइल ?
    - ना ।
28. यिशु शैतानके कथी जवाफ देलक ?

आवलजावो मत्ति ४:१० पद पढलजाइ ।

तब यिशु शैतानके कहलन हे शैतान दूर होजवो काहेकि लिखल बा कि तु अपना परमेश्वरके गोड लाग अउर खाली उनकरे सेवा कर ।

29. शैतानके जवाफ दिएलाके यिशु कथी कइलक ?
    - यिशु शैतानके जफाद दिएलाके धर्मशास्त्रसे दद्धरण कइल ।
    - यिशु केवल परमेश्वरके सिर्फ हमनी आराधना करेल कहलन ।

30. यिशु कइलन शैतानसे जालसे मुक्त भेइल ?
    - परमेश्वरके वचनद्वारा ।

31. का यिशु परमेश्वरके वचनके बिगाडल ?
    - ना ।
    - यिशु परमेश्वरके वचनमे जइसन लिखेला वइसने कहलन ।
    - आदिमे शैतान परमेश्वरके मालिक बनेके खोजलक लेकिन ना सकलन ।

- वओकराके बाद शैतान आदम आ हब्वाके छल करल ताकि ओकुनी परमेश्वरसे अलग होवो ।
- काहेकि आदम आ हब्वा शैतानके बात मानलक वइसने शैतान आदम आ हब्वा आ अउरो सब आदमीसके स्वामी बनगेल ।
- अभिन शैतान यिशुके स्वामी बनेलाके कोसि कइल लेकिन ना सकल ।

32. कउन बडा रहे शैतान या यिशु ?
    - यिशु ।
33. यिशु कैसन शैतानसे बडा रहे ?
    - काहेकि यिशु परमेश्वर बारन ।
    - काहेकि यिशु हि आदिमे लुसिफरके सिद्ध रूपमे सृष्टि कइल ।
    - यिशु लुसीफरके सिद्ध रूपमे सृष्टि कइल लेकिने ऊ पाप कइल आ शैतान बनल ।

34. भविष्यमे यिशु शैतान आ ओकर सहयोगी सब के कथी करेवाला रहे ?
    - यिशु शैतान आ ओकर सहयोगी शैतानसबके अनन्त आगके दहमे फेंकदेवाला रहे ।

- यिशु शैतानके पराजित करेलाके बाद शैतान वहांके छोडके गइल ।

आवलजावो मत्ती ४:११ पद पढलजाइ ।

वही घडी सैतान उनकरा लगेसे चलगेल । अउर वही घडी स्वरगदूत आके उनकरा सेवा करे लागल ।

- शैतान यिशुके छोडके गइल आ पिता परमेश्वर यिशुके सहयोगके निमित्त स्वर्गदूत भेजदेलक ।
- यद्यपि शैतान यिशुके कुछ समयके निमित्त छोडके गइल आ ऊ यिशुके परीक्षामे पारके निमित्त फेनु आएवालारहे ।